SALTOC Project
Title: Madhumatī
Imprint: Udayapura: Rājasthāna Sāhitya Akādamī
OCLC: 3195624
Volume 44: no 7, July 2004

TOC Supplied By: Columbia University Libraries

M-C-042
(1)

मधुमती

जुलाई, 2004

राजस्थान साहित्य अकादमी, उदय

अनुक्रम

लेख

- डॉ. वीरेन्द्र सिंह : डॉ. रामविलास शर्मा के चिन्तन में वैज्ञानिक पद्धति तथा विचार / 5
- डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी : वर्तमान में साहित्य के सवाल / 11
- देवर्षि कलानाथ शास्त्री : शब्द संसार की नई चुनौतियां / 18
- डॉ. पूरन सहगल : अरावली पठार के सिंगोलीगढ़ की राजकुमारी चित्तौड़ की रानी पद्मिनी / 22
- डॉ. नवल किशोर : हिन्दी साहित्य और यथार्थवाद / 28
- डॉ. बद्रीप्रसाद पंचोली : मुंशी प्रेमचंद की भारतीय दृष्टि / 31
- डॉ. विद्या केशव चिटको : यशपाल की दृष्टि में इतिहास / 34

साक्षात्कार

- डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ : कविता में शब्द आंतरिक संगठन का अवयव–डॉ. जगदीश गुप्त / 37

लोक संस्कृति

- डॉ. महेन्द्र भानावत : राजस्थान में गायकी के अखाड़े और लोकानुरंजन में उनका अवदान / 44

कविताएं

- रघुराज सिंह हाड़ा : छोटी दुनिया–बड़ी दुनिया / 48
- सवाई सिंह शेखावत : महाकवि, बच रहा दृश्य में, अगली बार / 49
- विजय सिंह नाहटा : तीन कविताएं / 50
- मानिक बच्छावत : गिरती हुई दीवारें, अफीम / 51
- डॉ. रमेश मयंक : कविता में व्यवधान / 52
- नरपत सिंह सोढ़ा : माँ बाऊजी के लिए / 53
- मदनमोहन परिहार : सवेरा / 53
- डॉ. रोचना विश्वकीर्ति : पोदना, ओ दमकते सूर्य / 54
- डॉ. पद्मजा शर्मा : माँ की दुनिया, हँसने की कोशिश में / 55
- डॉ. नरेश : मैं / 57
- अनुराग अग्निहोत्री : चुप्पी / 57
- हरीश वाढेर : नदी में नदी / 58
- डॉ. रूपा पारीक : बेघर होता आदमी, आपदा / 59
- चन्द्र कुमार सुकुमार : चतुष्पदियां / 60
- दिनेश चन्द्र शर्मा : यह तुम्हारी याद जैसे ईश की फरियाद / 61

कथा

- सुदर्शन पानीपती : एक ही रास्ता / 62
- डॉ. मंजू अरुण : हथियार / 67
- कृष्ण सुकुमार : मुझे क्या / 71
- राजेश कुमार भटनागर : पत्थर के लोग / 74

नाटक

- खुर्शीद नवाब : जीवन सफर / 78

भाषान्तर

- रा.वि. शास्त्री : पिपीलक (तेलगू कहानी–अनुवाद जे.एल.रेड्डी) / 85
- रश्मि रमानी : कोशिश, कई बार, जवाब (सिंधी कविताएं–अनुवाद स्वयं लेखिका) / 91

ग़ज़लें

- जहीर कुरेशी : चार ग़ज़लें / 92
- इक़बाल हुसैन 'इक़बाल' : तीन ग़ज़लें / 94
- भगवती प्रसाद गौतम : दो ग़ज़लें / 95

नवलेखन

- राजवीर सिंह 'राज' : आखिर क्यों / 96

व्यंग्य

- डॉ. देवेन्द्र इन्द्रेश : साहित्यकार का उद्घाटन / 97

समीक्षा

- डॉ. विमला सिंहल : रमता राम, प्रतिदान, भीतर का उन्मुक्त आकाश, अनुगूंज / 99
- डॉ. हरीदास व्यास : सूत्रधार / 103
- डॉ. किशोरीलाल रेगर : हुकुम की दुग्गी / 105
- साहित्यिक परिदृश्य / 108
- संवाद / 113
- रचनाकार / 116